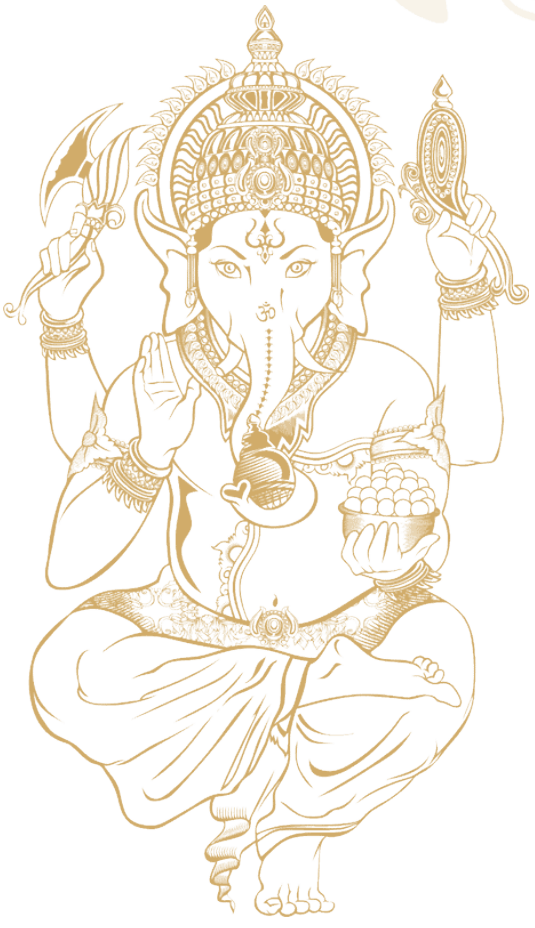

Ghanshyam

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120081403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/01/1996	जन्म तिथि	05/01/1996
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:22:00	जन्म समय	19:22:00 घंटे
घटी 30:23:31	जन्म समय(घटी)	30:23:31 घटी
India	देश	India
Kaman	स्थान	Bharatpur
27:39:00 उत्तर	अक्षांश	27:13:00 उत्तर
77:16:00 पूर्व	रेखांश	77:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:56	स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:35	सूर्योदय	07:10:48
17:39:38	सूर्यास्त	17:39:41
23:48:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:12

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 3वर्ष 3मा 24दि		13:33:48	कर्क	लग्न	कर्क	13:35:22	राहु 3वर्ष 3मा 24दि	
शनि		20:42:06	धनु	सूर्य	धनु	20:42:06	शनि	
01/05/2015		17:32:34	मिथु	चंद्र	मिथु	17:32:34	01/05/2015	
01/05/2034		03:56:29	मक	मंगल	मक	03:56:29	01/05/2034	
शनि	04/05/2018	09:44:16	मक	बुध	मक	09:44:16	शनि	04/05/2018
बुध	11/01/2021	06:42:31	धनु	गुरु	धनु	06:42:31	बुध	11/01/2021
केतु	20/02/2022	24:26:32	मक	शुक्र	मक	24:26:32	केतु	20/02/2022
शुक्र	21/04/2025	25:54:56	कुंभ	शनि	कुंभ	25:54:56	शुक्र	21/04/2025
सूर्य	03/04/2026	28:54:24	कन्या व	राहु व	कन्या	28:54:24	सूर्य	03/04/2026
चन्द्र	03/11/2027	28:54:24	मीन व	केतु व	मीन	28:54:24	चन्द्र	03/11/2027
मंगल	11/12/2028	05:48:26	मक	हर्ष	मक	05:48:26	मंगल	11/12/2028
राहु	18/10/2031	01:02:44	मक	नेप	मक	01:02:44	राहु	18/10/2031
गुरु	01/05/2034	08:17:40	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:17:40	गुरु	01/05/2034

लग्न-चलित

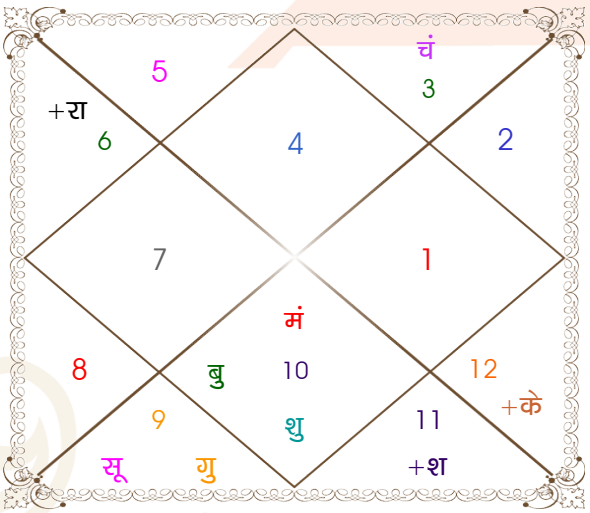

लग्न-चलित

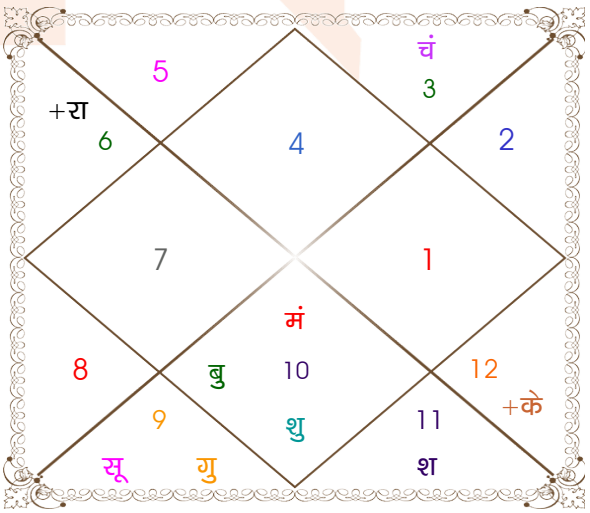

Leo AstroApt
Near Bcm School opposite Hi care Hospital Basant Avenue Dugri Ludhiana Punjab India
9041009000,7240001008,8010000138
deepakmishra131313@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	श्वान	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ळींदीलंउ का नक्षत्र आर्द्रा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र आर्द्रा है।

ळींदीलंउ का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळींदीलंउ और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ळींदीलंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ळींदीलंउ कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळींदीलंउ कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ळींदीलंउ कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळींदीलंउ तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।